HINDUSTAN PAGE 4

आर्ट्स गैलरी में बैठ धूप सेंकने जैसा आनंद कहीं और नहीं मिला

कुछ यादें कुछ किस्से 28

सुधाकर रस्तोगी

एमए एन्थ्रो में दाखिला लिया। बात 1977 की है। क्लास में 28 छात्राएं और 7 छात्र हुआ करते थे। आधे लड़के तो इसीलिए क्लास में आते। तब क्लास बंक करने की परम्परा नहीं होती थी। चाहे कुछ भी हो, क्लास छोड़ते नहीं थे। इसका एक कारण यह भी था कि गुरुजन सभी को चेहरे और नाम से पहचानते थे। आप क्लास के समय कहीं टहलते दिख जाएं, तो टोकते जरूर थे। दो साल के एमए की पढ़ाई के दौरान डॉ.केएस माथुर और डॉ. गोपाल सरन विभागाध्यक्ष थे। शायद इसीलिए हम पढ़ भी लिए। वरना हमारा तो पूरा ध्यान छात्र राजनीति पर ही था। क्लास और उसके बाद टैगोर लाइब्रेरी के पास जोशी की चाय, कैशियर ऑफिस के पास की कैंटीन के समोसे में कब सुबह से शाम हो जाती पता ही नहीं चलता था। हमारी पूरी की पूरी क्लास एक साथ चलती थी। एक जुलूस सा अपने आप बन जाता। अब तो सेवानिवृत्त हो चुका हूं। कई शहरों में रहा। लेकिन, सर्दी के दिनों में आर्ट्स फैकल्टी की गैलरी में बैठकर धूप सेंकने और दोस्तों के साथ आंतक्षरी खेलने जैसा आनंद आज तक दोबारा कहीं और नहीं मिला। जब भी विश्वविद्यालय के आर्ट्स फैकल्टी के सामने से गुजरता हूं तो पुराने दिन याद आ जाते हैं।

केकेवी से बीएससी करके आए थे। यह इमरजेंसी के बाद का दौर था। छात्र राजनीति अपने उफान पर थी। लखनऊ विश्वविद्यालय में दाखिला लेते ही 1977-78 में जूनियर लाइब्रेरियन का चुनाव भी लड़ा। एमए करते करते विश्वविद्यालय अपना घर सा हो गया था। कभी सोचा नहीं था कि इसके बाहर भी जाना होगा। एमए के बाद एलएलबी की। बाद में, तीन डिप्लोमा पाठ्यक्रमों में भी एक-एक साल पढ़ाई की। नौकरी के दौरान जब भी कोई व्यक्ति पासपोर्ट कार्यालय आता और कहता कि वह लखनऊ विश्वविद्यालय से है, तो ऐसे लगता की मानों अपने घर से कोई आया हो।

- सुधाकर रस्तोगी, पासपोर्ट ऑफिसर पद से सेवानिवृत्त

NBT PAGE 4

अब 172 मेडल देगा एलयू

मेडलिस्ट की अंतिम सूची में कम हो गए मेडल, बैक पेपर का छात्र भी शामिल

■ **एनबीटी, लखनऊः** एलयू की ओर से दीक्षांत समारोह में चचे 172 मेडल दिए जाने के लिए लिस्ट की अंतिम सूची बुधवार को जारी कर दी गई है। सूची विवि की वेबसाइट पर अपलोड कर दी गई है। अब इन सभी मेधावियों को विभाग स्तर पर कार्यक्रम कर मेडल दिए जाएंगे।

परीक्षा नियंत्रक प्रो. एएम सक्सेना ने बताया कि कई विभागों में तीन स्टूडेंट्स के एक ही नंबर आए हैं। ऐसे में उन्हें एलयू के ऑर्डिनेंस के मुताबिक कम उम्र वाले स्टूडेंट को मेडल दिया गया है। ऐसे करीब 5 स्टूडेंट्स लिस्ट में शामिल किए गए हैं। वहीं इस अंतिम लिस्ट में एक बैक पेपर के छात्र को भी शामिल किया गया है। साथ ही विवि के सूत्रों की माने तो इस अंतिम सूची में जो दो मेडल कम किए गए हैं उन मेडल को लेकर काफी विवाद खड़ा हो गया था। इसलिए उन दो मेडलों को सूची से हटा दिया गया है। हालांकि इन दो मेडलों को हटाने की बात पर परीक्षा नियंत्रक का कहना है कि उन मेडल्स के लिए आवेदन ही नहीं मिले थे।

विवि परीक्षा नियंत्रक प्रो. एएम सक्सेना ने बताया कि शताब्दी वर्ष समारोह के दौरान 21 नवंबर को हुए दीक्षांत समारोह में मेडल की संख्या करीब 196 थी। इसमें मुख्य अतिथि राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने मंच से 15 स्टूडेंट्स को मेडल दिया था। बचे हुए स्टूडेंट्स को मेडल बाद में विभाग स्तर पर दिए जाना तय हुआ था। इस साल कई मेडल ऐसे पाठ्यक्रमों के हैं जिनमें स्टूडेंट्स नहीं मिले हैं। इसलिए अब कुल 172 को ही मेडल दिए जाएंगे।

137 मेडल पर छात्राओं और 35 पर छात्रों का कब्जाः 172 मेडल में 137 मेडल पर 62 छात्राओं ने कब्जा जमाया है, जबकि 26 छात्रों के खाते में केवल 35 मेडल ही आए हैं।

एमजेएमसी की अंतिम काउंसलिंग कल से

■ **एनबीटी, लखनऊः** शिया पीजी कॉलेज में पत्रकारिता और जनसंचार में परास्नातक (एमजेएमसी) प्रथम सेमेस्टर में रिक्त सीटों पर अंतिम काउंसलिंग 18 दिसंबर से शुरू होगी। विभाग के समन्वयक डॉ. प्रदीप शर्मा ने बताया कि विभाग में करीब 10 सीटें रिक्त हैं, जिनमें फर्स्ट कम फर्स्ट सर्व की सुविधा दी जा रही है। यह सुविधा उन स्टूडेंट्स के लिए है जिन्होंने अब तक ऑनलाइन या ऑफलाइन आवेदन नहीं किया है। उन्होंने बताया कि कुछ स्टूडेंट्स फीस जमा करने से वंचित रह गए हैं, जिन्हें प्रवेश के लिए यह अंतिम मौका दिया जा रहा है। काउंसलिंग की विस्तृत जानकारी महाविद्यालय की वेबसाइट www.shiacollege.org या मोबाइल नंबर 9839036641 पर संपर्क कर ली जा सकती है।

छात्राओं ने मंच पर दिखाया नारी संघर्ष

■ **एनबीटी, लखनऊः** लखनऊ विश्वविद्यालय में मंगलवार को अर्थशास्त्र विभाग में मिशन शक्ति के अंतर्गत स्त्री, समाज और संघर्ष नामक नाटक का मंचन हुआ। इसमें छात्राओं ने नारी संघर्ष पर प्रस्तुति दी। साथ ही उन्होंने नाटक के माध्यम बताया कि किसी स्त्री को सभी का सहयोग मिल जाता है तो उसका संघर्ष कैसे सरल हो जाता है। डॉ. रोली मिश्र के निर्देशन में कौटिल्य सभागार में हुए कार्यक्रम में कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने नारी शक्ति पर सभी का उत्साहवर्धन किया। इस दौरान प्रो. शीला मिश्र, अर्थशास्त्र विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. मनोज कुमार अग्रवाल, प्रो.राजीव मनोहर, डॉ. गीतांजलि मिश्र, डॉ.अनुपमा सिंह, डॉ.कमर इकबाल, डॉ.अजय प्रकाश, डॉ.अतुल श्रीवास्तव, डॉ. संजीव, डॉ. शशीलता सिंह मौजूद रहीं।

एमपीएड प्रवेश परीक्षा के परिणाम पर आपत्तियां

■ एनबीटी, लखनऊः एलयू की ओर से जारी हुए एमपीएड प्रवेश परीक्षा के परिणाम को गलत बताते हुए अभ्यर्थियों ने आपत्तियां उठाई हैं। अभ्यर्थियों का कहना है कि एलयू प्रशासन की ओर से घोषित इस विषय के परीक्षा परिणाम में लिखित परीक्षा और शारीरिक दक्षता परीक्षण के नतीजे अलग-अलग जारी नहीं किए गए हैं। इस वजह से बहुत से अभ्यर्थियों की मेरिट सूची में रैंक गड़बड़ हो गई है। अभ्यर्थियों ने दोनों को अलग-अलग घोषित किए जाने की मांग की है।

AMAR UJALA MY CITY PAGE 5

लविवि की अंतिम पदक सूची जारी, बेटियों का दबदबा

आपत्तियों का निस्तारण कर जारी की सूची, समारोह की तारीख की घोषणा जल्द

माई सिटी रिपोर्टर

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय ने मेधावियों को दिए जाने वाले पदकों की अंतिम सूची बुधवार को जारी कर दी। सूची में एक बार फिर बेटियों ने बाजी मारी है। जल्द ही पदक देने की तारीख की घोषणा की जाएगी। विवि ने 26 नवंबर को अपनी प्रस्तावित पदक सूची जारी की थी। इस पर 7 दिसंबर तक आपत्तियां मांगी गई थीं। आपत्तियों के निस्तारण के बाद बुधवार को अंतिम सूची जारी कर दी गई है। परीक्षा नियंत्रक के अनुसार सूची में कोई बदलाव नहीं हुआ है। समान अंक पाने वाले विद्यार्थियों की कुछ आपत्तियां आई थीं, जिनका नियमानुसार निस्तारण कर दिया गया है। विवि का दीक्षांत समारोह 21 नवंबर को आयोजित हो चुका है। कोरोना महामारी की वजह से मुख्य समारोह में सिर्फ 15 पदक दिए गए थे। अब बचे हुए पदक की सूची जारी कर दी गई है।

हर्षिता को 12 पदक

मुख्य समारोह में चांसलर सिल्वर मेडल पाने वाली एमएससी मैथ की छात्रा हर्षिता दुबे को 12 मेडल मिले हैं। हर्षिता के अलावा एमए एआईएच की सरिता यादव व एलएलबी की प्रगति श्रीवास्तव को 08-08 मेडल पर कब्जा जमाया है। जया कुमारी एमएससी फिजिक्स को 06, अनम खान एमए सोशल वर्क को 06, प्रियांशी राज एमए इकोनॉमिक्स को 06, बीए की शांभवी पांडेय को 04, एमएससी की शांभवी द्विवेदी को 04, बीएससी की चारु बाजपेयी को 04, एमए हिस्ट्री की अदिति सिंह को 04, एमपीए के मयंक कुमार को 04 मेडल मिले हैं।

पूजा आहूजा को अतुल माहेश्वरी गोल्ड मेडल के साथ श्री प्रेम मुक्त गोल्ड पदक

लखनऊ विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह में दिया जाने वाला स्वर्गीय अतुल माहेश्वरी पत्रकारिता स्वर्ण पदक इस बार पूजा आहूजा को दिया जाएगा। लविवि के पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग की छात्रा पूजा आहूजा ने एमजेएमसी में सर्वाधिक 81.60 प्रतिशत अंक हासिल करके इस पर कब्जा जमाया है। पूजा ने इसके साथ ही श्री प्रेम मुक्त गोल्ड मेडल भी हासिल किया है। मूल रूप से वाराणसी की रहने वाली पूजा काफी लंबे समय से लखनऊ में रह रही हैं। आईटी कॉलेज से बीएससी करने के बाद पूजा ने लखनऊ विश्वविद्यालय से एमजेएमसी किया है। उनके पिता अजय आहूजा बिजनेसमैन, मां ऊषा आहूजा गृहिणी हैं जबकि बड़ी बहन अंकिता आहूजा एमबीए की पढ़ाई कर रही हैं।

अब बिना नैड आईडी के भर सकते हैं परीक्षा फॉर्म

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय में अब नेशनल एकेडमिक डिपॉजटरी (नैड) की आईडी के बगैर भी परीक्षा फॉर्म भरे जा सकते हैं। विवि प्रशासन ने नैड आईडी की अनिवार्यता समाप्त कर दी है। परीक्षा नियंत्रक प्रो. आनंद मुरारी सक्सेना ने सभी महाविद्यालयों को इस संबंध में निर्देश जारी कर दिए हैं। साथ ही निर्देश दिए हैं कि महाविद्यालय अपनी आईडी से परीक्षा फॉर्म की गलतियां सही कर लें, इसके लिए विद्यार्थियों को परिसर भेजने की जरूरत नहीं है।

जरूरी खबर

विवि ने इस साल ऑनलाइन परीक्षा फॉर्म में बड़ा बदलाव किया था। इसके तहत जिन विद्यार्थियों के पास अंकपत्र नेशनल एकेडमिक डिपॉजटरी (नैड) की आईडी नहीं थी, वे परीक्षा फॉर्म नहीं भर सकते थे। नैड आईडी न बना पाने वाले विद्यार्थियों को परीक्षा फॉर्म के साथ ही इसे बनाने का लिंक भी दिया था। प्रदेश सरकार ने भी जनहित गारंटी अधिनियम के तहत नैड से जोड़ने का निर्देश दे रखा है। इसके तहत सभी अंकपत्र ई-डिस्ट्रिक्ट पोर्टल पर अपलोड होने हैं। पोर्टल पर अंकपत्र अपलोड होने के बाद विद्यार्थियों के अंकपत्र नैड की आईडी के माध्यम से कहीं से भी सत्यापित हो जाएंगे। इस काम के लिए केंद्र सरकार ने एनएसडीएल और सीडीएसएल को नामित किया है। इसको ध्यान में रखते हुए लविवि ने अपने परीक्षा फॉर्म में ही नैड की आईडी को अनिवार्यता शामिल की थी, लेकिन अब इसे समाप्त कर दिया गया है।

पदकों की अन्तिम सूची जारी, दो पदक किए गए कम, सूची विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर अपलोड कर दिया गया है

लखनऊ विश्वविद्यालय 172 होनहारों को देगा पदक

लखनऊ | वरिष्ठ संवाददाता

लखनऊ विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह में 172 होनहारों को पदक बांटेगा। विश्वविद्यालय प्रशासन की ओर से बुधवार को इनकी सूची जारी कर दी गई है। सूची विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर अपलोड कर दिया गया है। अब इन सभी मेधावियों को विभाग स्तर पर कार्यक्रम का आयोजन करके पदक दिए जाएंगे।

इस बार जो 172 पदक विश्वविद्यालय देने जा रहा है, इनमें

62 छात्राओं ने 137 पदक पर कब्जा जमाया है

26 छात्रों के खाते में केवल 35 पदक ही आए हैं

62 छात्राओं ने 137 पदक पर कब्जा जमाया है। जबकि 26 छात्रों के खाते में केवल 35 पदक ही आए हैं। परीक्षा नियंत्रक प्रो. एएम सक्सेना ने बताया कि कई विभागों में ऐसे नाम सामने आए जहां तीन छात्रों के एक ही नंबर आए हैं। ऐसे में ऑर्डिनेंस के हिसाब से उम्र कम वह छात्र को पदक देने का फैसला लिया गया है। वहीं इस अंतिम सूची में एक बैक पेपर के छात्र को भी शमिल किया गया है।

प्रो. एएम सक्सेना ने बताया कि दीक्षांत समारोह में दिए जाने वाले पदकों की संख्या करीब 196 थी। जिसमें से 15 मेधावियों को शताब्दी वर्ष समारोह के दौरान आयोजित हुए समारोह के मुख्य कार्यक्रम में पदक दिए गए हैं। बता दें कि इस साल कई मेडल ऐसे पाठ्यक्रमों के हैं जिनमें छात्र नहीं हैं। इसलिए अब कुल 172 पदक ही दिए जाएंगे। उधर, जानकारों की मानें तो, इस अंतिम सूची में जो दो पदक कम किए गए हैं उनमें काफी विवाद था।

लखनऊ विश्वविद्यालय मेडल सूची

एमएससी मैथ की छात्रा हर्षिता दुबे को 12 पदक मिले हैं। हर्षिता के अलावा एमए एआईएच की सरिता यादव व एलएलबी की प्रगति श्रीवास्तव को 08-08 पदक पर कब्जा जमाया है। जया कुमारी एमएससी फिजिक्स को 06, अनम खान एमए सोशल वर्क को 06, प्रियांशी राज एमए इकोनॉमिक्स को 06, बीए की शाम्भवी पांडेय को 04, एमएससी की शाम्भवी द्विवेदी को 04, बीएससी की चारु बाजपेयी को 4, एमए हिस्ट्री की अदिति सिंह को 04, एमपीए के मयंक कुमार को 04 पदक मिले हैं।

i-NEXT PAGE 4

एलयू ने जारी की फाइनल मेडल लिस्ट, दो में बदलाव

विभागों के स्तर पर दिए जाएंगे यह मेडल

lucknow@inext.co.in

LUCKNOW (16 Dec): लखनऊ यूनिवर्सिटी की ओर से दीक्षांत समारोह में दिए जाने वाले बचे मेडल की फाइनल लिस्ट जारी कर दी है. एलयू प्रशासन की ओर से फाइनल लिस्ट को वेबसाइट पर अपलोड कर दिया गया है. अब इन सभी मेधावियों को विभाग स्तर पर कार्यक्रम का आयोजन करके मेडल दिए जाएंगे.

दो विभागों के मेडल बदले

परीक्षा नियंत्रक प्रो. एएम सक्सेना ने बताया कि एलयू ऑर्डिनेंस के मुताबिक करीब दो विभागों में ऐसे स्टूडेंट्स हैं जहां तीन स्टूडेंट्स के एक ही नंबर आए हैं ऐसे में उनको एलयू के ऑर्डिनेंस के मुताबिक जिसकी उम्र कम है. उस स्टूडेंट को मेडल दिया गया है. ऐसे करीब 5 स्टूडेंट्स लिस्ट में शामिल किए गए हैं. वहीं इस अंतिम लिस्ट में एक बैक पेपर के छात्र को भी शमिल किया गया है. साथ ही यूनिवर्सिटी के सूत्रों की मानें तो इस अंतिम सूची में जो दो मेडल कम किए गए हैं उन मेडल को लेकर काफी विवाद खड़ा हो गया था जिस कारण से उन दो मेडलों को सूची से हटा दिया गया है.

172 मेडल की सूची जारी

एलयू प्रशासन ने 21 नवंबर को अपना 63वां दीक्षांत समारोह आयोजित किया था, जिसमें मुख्य अतिथि राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने मंच से 15 स्टूडेंट्स को मेडल प्रदान किया था. बचे हुए स्टूडेंट्स को मेडल बाद में विभाग स्तर पर दिए जाना तय हुआ था. विवि परीक्षा नियंत्रक प्रो. एएम सक्सेना ने बताया कि एलयू के दीक्षांत समारोह में मेडल की संख्या करीब 196 थी, जिसमें से 15 मेधावियों को शताब्दी वर्ष समारोह के दौरान आयोजित हुए दीक्षांत समारोह के मुख्य कार्यक्रम में मेडल्स दिए गए हैं. बता दें कि इस साल कई मेडल ऐसे पाठ्यक्रमों के है जिनमें स्टूडेंट्स इस बार नहीं मिले हैं इसलिए अब कुल 172 को ही मेडल दिए जाएंगे.

हालांकि इन दो मेडलों को हटाने की बात पर परीक्षा नियंत्रक का कहना है कि उन मेडल्स के लिए आवेदन ही नहीं प्राप्त हुए थे.

137 मेडल पर छात्राओं व 35 पर छात्रों का कब्जा

इस बार जो 172 मेडल यूनिवर्सिटी देने जा रहा है. उसमें से 62 छात्राओं ने 137 मेडल पर कब्जा जमाया है जबकि 26 छात्रों के खाते में केवल 35 मेडल ही आए हैं.

PIONEER PAGE 3

लखनऊ विवि ने जारी की बचे पदकों की सूची

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय की तरफ से बुधवार को बचे हुए मेडल की लिस्ट जारी कर दी गई है। विवि प्रशासन ने सूची को विवि की बेवसाइट पर अपलोड कर दिया गया है। अब इन सभी मेधावियों को विभाग स्तर पर कार्यक्रम का आयोजन करके मेडल दिए जाएंगे।परीक्षा नियंत्रक प्रो. एएम सक्सेना ने बताया कि एलयू ऑर्डिनेयंस के मुताबिक कई विभागों में ऐसे स्टूडेंट्स है जहां तीन स्टूडेंट्स के एक ही नंबर आए हैं ऐसे में उनको एलयू के ऑर्डिनेंस के मुताबिक जिसकी उम्र कम है उस स्टूडेंट को मेडल दिया गया है। ऐसे करीब 5 स्टूडेंट्स लिस्ट में शामिल किए गए हैं। वहीं इस अंतिम लिस्ट में एक बैक पेपर के छात्र को भी शमिल किया गया है। बता दें कि एलयू प्रशासन ने 21 नवंबर को अपना 63वां दीक्षांत समारोह आयोजित किया था। जिसमें मुख्य अतिथि राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने मंच से 15 स्टूडेंट्स को मेडल प्रदान किया था। बचे हुए स्टूडेंट्स को मेडल बाद में विभाग स्तर पर दिए जाना तय हुआ था।

VISHWAVARTA PAGE 5

लविवि : बचे हुए मेडल के लिए मेधावियों की सूची जारी

विश्ववार्ता संवाददाता

लखनऊ। एलयू ने बचे हुए मेडल को दिए जाने वाले मेधावियों की सूची बुधवार को जारी कर दी है। गत माह शताब्दी समारोह के बीच में विश्वविद्यालय ने दीक्षांत समारोह आयोजित कर मात्र 15 मेधावियों को मेडल प्रदान किए थे। बाकी मेडल विश्वविद्यालय प्रशासन ने विभाग स्तर पर देने का ऐलान किया था। मेडल सूची विवि की बेवसाइट पर अपलोड कर दी गई है। इन सभी मेधावियों को विभाग स्तर पर कार्यक्रम आयोजित कर मेडल दिए जाएंगे।

लविवि के परीक्षा नियंत्रक प्रो. एएम सक्सेना ने बताया कि कई विभागों में तीन-तीन विद्यार्थी ऐसे है जिनके एक ही नंबर हैं। ऐसे में उनकों लविवि के ऑर्डिनेंस में दी गई व्यवस्था के अनुसार मेडल दिया जाएगा। व्यवस्था के अनुसार जिसकी उम्र कम है उस विद्यार्थी को मेडल दिया जाएगा है। इस तरह के करीब 5 विद्यार्थी मेडल सूची में शामिल हैं। इस आखिरी मेडल सूची में एक बैक पेपर के छात्र को भी शामिल किया गया है। सूत्रों के अनुसार जारी सूची में जो दो मेडल कम किए गए हैं, उन मेडल को लेकर काफी विवाद खड़ा हो गया था।

HT PAGE 3

LU teachers to attend week-long online course on Bhagwad Gita

LUCKNOW : In order to impart value-oriented education, the teachers of Lucknow University will now learn from the Bhagawad Gita and pass on the knowledge to students during their classroom teaching.

For this, the LU has decided to start an online Bhagwad Gita certificate course for the faculty.

"Tomorrow onwards, Lucknow University with ISKCON Youth Forum will start online Bhagawad Gita certificate course for teachers," read a tweet shared by vice chancellor Prof Alok Kumar Rai on his Twitter handle on Wednesday evening.

The university had also signed a Memorandum of Understanding with ISKCON, said Rai who will also attend the session with many other teachers.

"Discover Yourself is the theme of this week-long certificate course which will be attended by 50 teachers physically. The rest will tune in to LU's YouTube channel to attend the session," said the vice chancellor. Teachers would be taught lessons on: 'Can a scientist believe in God', 'Getting Eyes to see God', 'Vedas- Privilege of Humanity', 'Science of Soul, 'Material versus Spiritual World. If God is One Why So Many Religions' and Yoga for Modern Age, said Madhu Smita Das, monk (brahmachari) from ISKCON who will conduct the session on Thursday.

The vice chancellor said, "In this certificate course, teachers will undergo scientific orientation of spirituality and interpretation of Bhagwad Gita to develop a new perspective. It is not a religious book only and is deeply rooted into science."

"Merely reading Bhagwad Gita will not yield the desired results unless teachers acquaint themselves with the scientific knowledge in it. The teachers will be encouraged to comprehend rather than simply read the book," the V-C said.

HT